CRLC–02

December – Examination 2022

Certificate in Rajasthani Language and Culture Examination

राजस्थानी साहित्य : राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति

Paper : CRLC-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- ओ पेपर तीन खण्डा 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा (निबंधात्मक) सवाल दियौड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै दियौड़ा निर्देशांमुजब आपरा पडूत्तर लिखौ।

खण्ड—अ **10×2=20**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में दियौड़ा सगळा सवालां रा उत्तर देवणा जरूरी है। आपरै पडूत्तर री सींव **30** सबदां सूं बे सी नीं हुवणी चाईजै। इस सेक्सन का अधिकतम अंक **10** होगा।

1. (i) 'भरतेश्वर बाहुबलि रास' रा रचयिता रौ नांव मांडौ ?

(ii) 'पृथ्वीराज रासौ' किणरी रचना है ?

(iii) 'राजिया रा दूहा' रा रचनाकार कुण हा ?

(iv) 'बारामासा' रौ अरथ उजागर करौ।

(v) 'अभिद्या' सबद सगती रौ अरथ स्पष्ट करौ।

(vi) चेतावणी रा-चूंगट्या कुण लिख्या ?

(vii) औल्यू लोग गीत कद गायौ जावै ?

(viii) चरणदास री सिसया कुण ही ?

(ix) दूहै रा कितरा भेद हुवै ?

(x) 'वीरमायणं' ग्रंथ रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

खण्ड—ब **4×10=40**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार** सवालां रौ चयन करता थकां उणारा पडूत्तर **200** सबदां री सींव में लिखौ।

2. आदिकालीन राजस्थानी रासौ साहित्य माथै संक्षिप्त टीप मांडौ ?

3. प्रसिद्ध कवि ईसरदास रै व्यक्तित्व अर कृतित्व नै उजागर करौ।

4. आधुनिक राजस्थानी काव्य में प्रकृति चित्रण सू जुडियौडा जाणकारी परक टीप मांडौ।

5. लोक काव्य 'नरसी रौ माहैरौ' री जाणकारी कराऔ।

6. संत दादू दयाल रौ जीवनवृत्त उजागर करौ।

7. कवि वर कन्हैयालाल सेठिया रै जीवन वृत्त नै उजागर करौ।

8. लोग गीता री विसेसतावां रौ वर्णन करौ।

9. कृपाराम खिडिया रौ संक्षिप्त परिचै मांडौ।

खण्ड—स **2×20=40**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **दो** सवालां रौ चयन करता थकां उणारा पडूत्तर **500** सबदां री सींव में लिखणा है।

10. आदिकालीन राजस्थानी साहित्य रे रचाव रै बंगत री परिस्थितियां माथै टीप करौ।

11. राजस्थानी लोकगीतां माथै विस्तार सूं लिखौ।

12. राजस्थान रा प्रमुख संत सम्प्रदाया री शिक्षावां माथै विस्तार सू विवेचना करौ।

13. राजस्थानी भासा रै 1947 सूं पैला रै जनचेतनापरक काव्य रो वर्णन करौ।